http://www.gnduonline.com

Exam. Code : 103205
Subject Code : 1237

B.A./B.Sc. 5th Semester

SANSKRIT ELECTIVE

Time Allowed—3 Hours] [Maximum Marks—100

नोट :— सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। किसी भी प्रश्न के सभी भागों के उत्तर नैरन्तर्य से लिखें।

1. **अधोलिखित में से किन्हीं पाँच पद्यों का संस्कृत/हिन्दी/पंजाबी/अंग्रेजी में सप्रसंग सरलार्थ करें :—**

(क) समुत्पन्नेषु कार्येषु बुद्धिर्यस्य न हीयते।
स एवं दुर्गं तरति जलस्थो वानरो यथा।।

(ख) ब्रह्मघ्ने च सुरापे च चौरे भग्नव्रते शठे।
निष्कृतिर्विहिता सद्भिः कृतघ्ने नास्ति निष्कृतिः।।

(ग) न विश्वसेदविश्वस्ते विश्वस्तेऽपि न विश्वसेत्।
विश्वासद्नयमुत्पन्नं मूलान्यपि निकृन्तति।।

(घ) शत्रुभिर्योजयेच्छत्रुं बलिना बलवत्तरम्।
स्वकार्याय यतो न स्यात्काचितपीडात्र तत्क्षये।।

(ङ) सर्वनाशे च सञ्जाते प्राणानामपि संशये।
अपि शत्रुं प्रणम्यापि रक्षेत्प्राणान्धनानि च।।

(च) नामृतं न विषं किञ्चिदेकांमुक्त्वा नितम्बिनीम्।
यस्याः सङ्गेन जीव्येत म्रियते च वियोगतः।।

(छ) स्वार्थमुत्सृज्य यो दम्भी सत्यं ब्रूते समन्दधीः।
स स्वार्थाद् भ्रश्यते नूनं युधिष्ठर इवापरः।।

http://www.gnduonline.com

http://www.gnduonline.com

(ज) आत्मनो मुखदोषेण बध्यन्ते शुकसारिकाः।
बकास्तत्र न बध्यन्ते मौनं सर्वार्थसाधनाम्।।

(झ) न गृहं गृहमित्याहुर्गृहिणी गृहमुच्यते ।
गृहं तु गृहिणीहीनं कान्तारान्नातिरिच्यते।।

(ञ) उपकारिषु यः साधुः साधुत्वे तस्य को गुणः।
अपकारिषु यः साधुः स साधुः सद्भिरुच्यते।। 5×7=35

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखें :—

(क) "विदेशगतसारगेयकथा" का सार अपने शब्दों में लिखें।

(ख) शृंगालसिंहव्याघ्रचित्रकथा की शिक्षा का हमारे जीवन में महत्व प्रतिपादित करें।

(ग) "सिंहलम्बकर्ण कथा" से हमें क्या शिक्षा मिलती है ?

(घ) "युधिष्ठरकुम्भकारकथा" का सार अपने शब्दों लिखें।
2×7½=15

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** में सन्धि/सन्धिविच्छेद करें :—

(क) भास्करः http://www.gnduonline.com

(ख) सोऽहम्

(ग) निः + रोग

(घ) अधःपतन

(ङ) अन्तः + करण

(च) निराशा

(छ) निः + प्राण

(ज) निष्पापः

(झ) मनः + योगः।

(ञ) दुश्चरित्र। 2×5=10

http://www.gnduonline.com

http://www.gnduonline.com

4. अधोलिखित में से किन्हीं **पाँच** धातुओं के साथ यथानिर्दिष्ट सन् तथा णिच् प्रत्यय लगाकर प्रथम पुरुष एकवचन के रूप लिखें :—

(क) √ भू + णिच्

(ख) √ चल् + सन्

(ग) √ पठ् + णिच्

(घ) √ दश + सन्

(ङ) √ हस् + णिच्

(च) √ सिच् + सन्

(छ) √ गम् + णिच्

(ज) √ चुर + सन्

(झ) √ पत् + णिच्

(ञ) √ क्री + सन् 2×5=10

5. यजुर्वेद अथवा अथर्ववेद संहिता का सामान्य परिचय दें। 10

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखें :—

(क) दिशाएं कितनी हैं ? हिन्हीं छः के नाम लिखें।

(ख) राशियों के नाम लिखें।

(ग) वारों के नाम लिखें।

(घ) मासों के नाम लिखें। 2×5=10

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दस** शब्दों को संस्कृत में लिखें :—

Computer, Black Board, Television, Mobile Phone, Telephone, Internet, भानजा, साला, हल्दी, कान, जीभ, गधा, बैल, कबूतर, कौवा, मोर, रसोई, छोटा भाई, बड़ा भाई, भाभी।

10×1=10

http://www.gnduonline.com